AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the Film Federation of India boycotted the 28th International Film Festival of India held this January in Thiruvananthapuram;

(b) the reasons for boycott by the FFI; and

(c) what steps were taken by Government to ensure that IFFI did not lose its purpose and lustre?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) and (b) The Film Federation of India did not officially participate in the festival due to lack of consensus over the choice of the chief guest for the inagural function.

(c) The festival, over the years, has been attracting outstanding films from all over the world and is now an important event on the international cultural calendar. It is the constant endeavour of the Government to enssure that the festival provides the best of world and Indian cinema to film-makers, technicians, artistes, critics, students of cinema and film lovers in the country.

Negative projection of Leaders of opposition by Chennai Doordarshan

3307. SHRI P. SOUNDARARAJAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Chennai (Madras) Doordarshan has been indulging in negative projection of leaders of opposition parties in Tamil Nadu with malafide intention; and

(b) what action Government propose to take to ensure that the Doordarshan functions impartially?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) All Doordarshan Kendras, including the one at Chennai (Madras) are strictly following the Broadcast Code which, inter-alia, does not permit depiction in a bad light or negative projection of any public figure, much less leaders of recognised political parties, whether in government or in opposition.

(b) Does not arise.

Serious discontentment among T.V. News-Correspondent

3308. DR. JAGANNATH MISHRA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the serious discontentment amongst the T.V. News Correspondents, Assistant News Correspondent for want of lack of working facilities and promotional avenues which has forced several officers to leave the organisation; if so, the details thereof;

(b) whether Government have received any communication from Members of Parliament in this regard and if so, the details thereof; and

(c) what action Government have taken thereon?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) and (b) A few representations have been received mainly for providing promotional avenues to TV News Correspondents etc.

(c) It has been agreed, in principle, to create posts of TV Special news Correspondents in the higher grade to provide promotional avenues to TV News Correspondents.

Standard education programme to be Televised in each School/College.

3309. SHRI R. MARGABANDU: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state whether Standard Education Programme on various subject can be compiled and televised in each High School/Higher Secondary School and in

colleges at a particular time in a day so as to ensure equal standard of education to be imparted to students both in urban and rural areas?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): No, Sir. For want of adequate software as well as facilities in schools/colleges to receive the software signals, currently it is not a feasible proposition.

गढ़वाल और कुमाऊं दूरदर्शन केन्द्रों से क्षेत्रीय कार्यक्रम का प्रसारण

3310. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दूरदर्शन केन्द्रों पर प्रसारण हेतु क्षेत्रीय कार्यक्रमों के चयन के लिए क्या मानदण्ड निर्धारित किया गया है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्रों के कार्यक्रमों के संबंध में देहरादून को कितने प्रस्ताव मिले हैं और प्रसारण के लिए ऐसे कितने कार्यक्रमों का चयन किया गया है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों से प्राप्त हुए कार्यक्रमों का प्रतिशत क्या है; और

(घ) इन क्षेत्रों के और अधिक कार्यक्रमों का प्रसारण करने हेतु सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस० जयपाल रेड्डी): (क) सभी क्षेत्रीय भाषाओं को प्रतिनिधित्व प्रदान करने का दूरदर्शन का सतत प्रयास रहता है। इस समय दूरदर्शन 13 क्षेत्रीय भाषाओं के उपग्रह चैनलों को परिचालित करता है जो केवल क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों को प्रसारित करते हैं। इसके अतिरिक्त डीडी-I तथा डीडी-II चैनल क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों को प्रसारित करते हैं जो डिश एण्टीना के जरिए समग्र देश में भी उपलब्ध हैं।

(ख) देहरादून में कोई दूरदर्शन केंद्र नहीं है अतः गढ़वाल तथा कुमाऊं क्षेत्रों के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने का प्रश्न ही नहीं उठता। तथापि, इन क्षेत्रों के निर्माता दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ को अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं।

(ग) और (घ) लखनऊ स्थित दूरदर्शन केंद्र, गढ़वाल तथा कुमाऊं क्षेत्रों के विषयों पर कार्यक्रमों को समायोजित करने के लिए सभी प्रयास करता है। हाल ही में केंद्र ने इस क्षेत्र से संबंधित लगभग 8 वृत्तचित्रों को कमीशण्ड किया है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न घरेलू तथा अन्य कार्यक्रमों में क्षेत्र की वनस्पति तथा जीव जन्तुओं, समारोहों तथा वार्षिकोत्सवों पर प्रकाश डाला जाता है।

दूरदर्शन पर हिन्दी कार्यक्रमों का प्रसारण

3311. **श्री रामजीलाल:** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दूरदर्शन के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चैनलों पर राष्ट्रीय भाषा अर्थात् हिन्दी के कार्यक्रमों का प्रसारण कितने समय तक किया जाता है;

(ख) क्या सरकार क्षेत्रीय चैनलों पर हिन्दी कार्यक्रमों को समय बढ़ाने का प्रयत्न करेगी; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या करण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस० जयपाल रेड्डी): (क) राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अर्थात डी०डी० I पर हिंदी कार्यक्रमों के लिए दिया गया समय कुल प्रसारण समय का लगभग 70-75% है। जबकि हिंदी भाषी क्षेत्रों में क्षेत्रीय चैनलों में हिंदी कार्यक्रमों को दिया गया समय कुल प्रसारण समय का लगभग 90-95% है। गैर-हिन्दी भाषी क्षेत्रों में क्षेत्रीय चैनलों में संबंधित क्षेत्र की भाषा को प्रसारण समय का लगभग 90% समय दिया जाता है और शेष समय हिंदी, उर्दू, संस्कृत तथा क्षेत्र की अन्य भाषाओं के लिए रखा जाता है। इसके अलावा, डी०डी० 2 चैनल जो 46 शहरों में उपलब्ध है, पर केवल 80% कार्यक्रम हिंदी में हैं।

(ख) और (ग) विभिन्न भाषा वाले क्षेत्रों में क्षेत्रीय चैनल मुख्य रूप से संबंधित क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए होते हैं तथा वे राष्ट्रीय कार्यक्रमों की कमी को पूरा करते हैं जिनका प्रसारण क्षेत्र व्यापक है। दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों पर हिन्दी कार्यक्रमों को दिया गया समय पर्याप्त समझा गया है।

Introduction of Broadcasting Bill in the Parliament

3312. SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have finalised the legislation on Broadcasting;

(b) if so, the details thereof; and